

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	वैशाख 19, गुरुवार, शाके 1946-मई 09, 2024 Vaisakha 19, Thursday, Saka 1946- May 09, 2024	

**भाग-1(ख)**

**महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।**

**वन विभाग**

**विज्ञप्ति**

**जयपुर, अप्रेल 03, 2024**

**संख्या प. 2(13)वन/2024 :-** चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन-भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व हैं अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन-उपज अथवा उसके किसी अंश को स्वत्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि सरकार उपर्युक्त वन-भूमि तथा बंजर-भूमि को राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 की धारा 29, उप-धारा (1) के अन्तर्गत रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करने का विचार रखती है,

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्ध नहीं किये गये हैं ,

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उन पर सरकार पर वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के सम्बन्ध में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है, परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचाने की आशंका है,

इसलिये अब राजस्थान फोरस्ट एक्ट, 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उप-धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेन्ट ऑफिसर, असिस्टेन्ट फोरेस्ट सेटलमेन्ट ऑफिसर को पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर-भूमि में या उन पर सरकारी तथा वैयक्तिक अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती है तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साध्य उसी प्रणाली में किया जायेगा जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 10, 11 (1), 12, 13, 14, 17, 18 तथा 19 में प्रावहित है,

और उक्त एक्ट की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक (Provision) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखन सम्पादित होने तक उक्त वन-भूमि और बंजर-भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आयेगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा,

और सरकार उक्त उक्त की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वे वृक्ष जो इसके साथ संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं, राजपत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख से आरक्षित (Reserved) है और पूर्वाेक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों का हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहीत किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन

बनाया जाना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि का कृषि अथवा भवन निर्माण अथवा पशु-पालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खण्डित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

राज्यपाल की आज्ञा से,

मोनाली सेन,  
विशिष्ट शासन सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची (वन भूमि व बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

**प्रथम अनुसूची**

क्र.सं.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	विवरण		
					ग्राम	खसरा नम्बर	रकबा हैक्टर
1	करुन्दिया पार्ट -ए	बेंगू	चित्तौड़गढ़	उत्तर- ग्राम जान्दोलिया की राजस्व भूमि खसरा नं. 19 मी	जान्दोलिया	208/19	1.355
				पूर्व- ग्राम जान्दोलिया की राजस्व भूमि खसरा नं. 45 दक्षिण-वनखण्ड करुन्दिया की वन सीमा पीलर नं. 182 से 183 के मध्य पश्चिम-ग्राम जान्दोलिया की राजस्व भूमि खसरा नं. 18	योग	1	1.355

विजय शंकर पाण्डेय,  
उप वन संरक्षक,  
चित्तौड़गढ़।

## द्वितीय अनुसूची रक्षित वनखण्ड करुन्दिया

## पेड़ों की सूची

क्र.सं.	बोटोनिकल नाम	हिन्दी नाम
1.	Anogeissus Pendula	धोक
2.	Anogeissus lateoia	सफेद धोक
3.	Acacia catechu	खैर
4.	Boawellia serrata	सालर
5.	Butea Monosperma	पलास
6.	Diopyros melanoxylon	तेन्दु
7.	Balanites aegyptica Delile	हिंगोट

विजय शंकर पाण्डेय,  
उप वन संरक्षक,  
चित्तौड़गढ़।

**प्रारम्भिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उपवन संरक्षक द्वारा प्रमाण पत्र  
जो लागू नहीं होता है उसे काट दे**

वनखण्ड करुन्दिया पार्ट ए

क्षेत्रफल - 1.355 हैक्टर

रेंज - बेगूं

वन मण्डल - चित्तौड़गढ़

- 1- संलग्न प्रारूप में दर्शाई गई भूमि का वर्गीकरण क्रमशः गैर मुनमिकन पहाड गैर भुं. भाखर/मगरा /व.गे. कृ. पायती है, जिसे विज्ञप्ति के कालम 6 में विस्तृत रूप से खसरा नम्बरो के विवरण दर्शाया गया है।
- 2- वर्तमान में भूमि राजस्व लेखो में वन विभाग के नाम दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में विकास कार्य कराया गया है। कराना है। इनमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है। और यथा सम्भव कुछ क्षेत्रों की पंचायतो से राजस्व विभाग से सहमति प्राप्त कर ली गई है।
- 3- वर्तमान में कुछ क्षेत्रों में क्रमशः प्लान्टेशन एवं अन्य विकास कार्य वर्ष .....में कराये गये हैं इनमें कोई खनन कार्य नहीं हुए हैं भविष्य में अन्य क्षेत्रों में भी विकास कार्य कराये जाने की संभावना है।
- 4- भूमि पर वृक्षों का घनत्व कुछ क्षेत्रों में ..... प्रतिशत है तथा कुछ क्षेत्रों में नगण्य है। इसमें वनखण्ड करुन्दिया पार्ट ए में 0.2-0.04 प्रतिशत प्रजातियों के पेड़ हैं तथा कुछ क्षेत्रों में नामा घनत्व नगण्य है।
- 5- समीपवर्ती क्षेत्र की स्थिति वन भूमि है तथा चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम नं. 5 में कर दिया गया है।
- 6- वनखण्डों के वांछित मानचित्र (नक्षे) संलग्न हैं एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप हैं। प्रस्तावित वन क्षेत्र को नक्षे में लाल स्याही से इंगित किया गया है।
- 7- प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है जिससे कि इन भूमियों पर वन विभाग का साक्ष्यसिद्ध हो सके।
- 8- उक्त वन भूमिका पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

**विजय शंकर पाण्डेय,  
उप वन संरक्षक,  
चित्तौड़गढ़।**

\_\_\_\_\_  
राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।